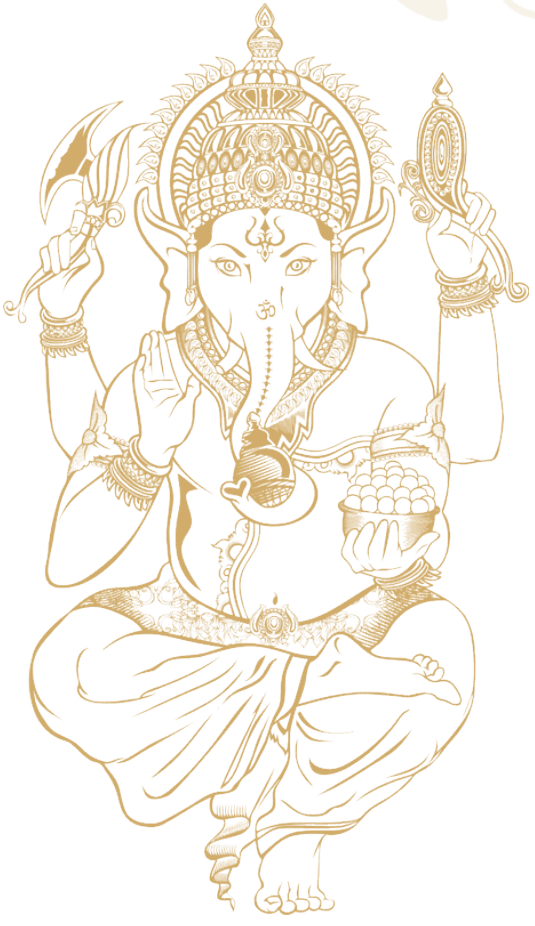

Rahul giri

08 Feb 1996

09:20 PM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121464010

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/02/1996**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**21:20:00 घंटे**
इष्ट	34:57:25 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:49:28 घंटे
वेलान्तर	-00:14:12 घंटे
साम्पातिक काल	06:01:38 घंटे
सूर्योदय	07:21:01 घंटे
सूर्यास्त	18:08:45 घंटे
दिनमान	10:47:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	25:21:44 मकर
लग्न के अंश	06:32:43 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	धृति
करण	बालव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पू-पुरुषोत्तम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	06:32:43	307:47:05	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			मक	25:21:44	01:00:45	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	10:34:41	12:38:58	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
मंगल		अ	कुंभ	00:47:26	00:47:27	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
बुध			धनु	29:42:58	00:50:38	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	सम राशि
गुरु			धनु	14:00:38	00:11:55	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			मीन	05:40:06	01:11:08	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	उच्च राशि
शनि			कुंभ	29:06:42	00:06:36	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	स्वराशि
राहु	व		कन्या	24:55:10	00:02:10	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	24:55:10	00:02:10	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	07:47:33	00:03:25	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
नेप			मक	02:19:04	00:02:08	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	09:06:34	00:00:55	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	06:34:19	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:17

लग्न-चलित

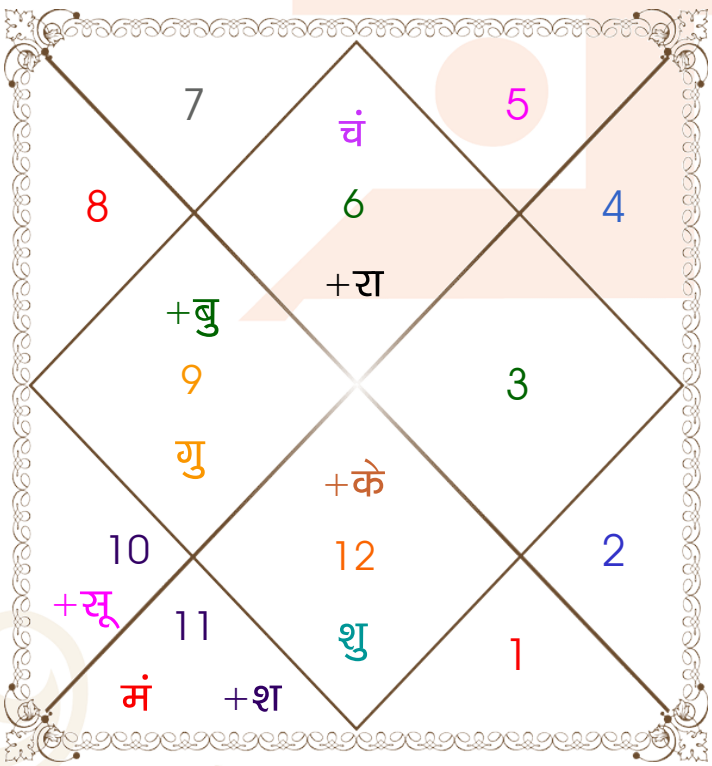

चन्द्र कुंडली

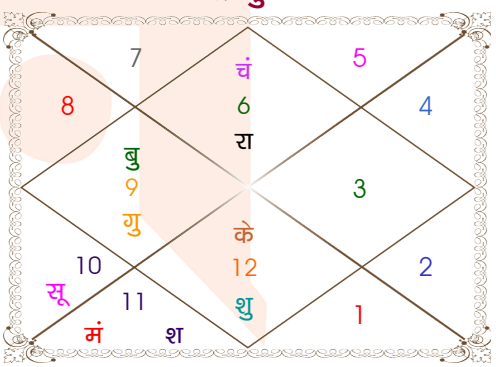

नवमांश कुंडली

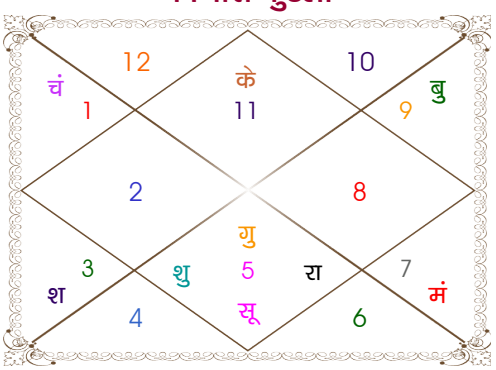

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 9 वर्ष 6 मास 24 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
08/02/1996		03/09/2005		02/09/2012		03/09/2030		03/09/2046	
03/09/2005		02/09/2012		03/09/2030		03/09/2046		03/09/2065	
चंद्र	03/07/1996	मंगल	30/01/2006	राहु	16/05/2015	गुरु	21/10/2032	शनि	06/09/2049
मंगल	01/02/1997	राहु	17/02/2007	गुरु	09/10/2017	शनि	04/05/2035	बुध	16/05/2052
राहु	03/08/1998	गुरु	24/01/2008	शनि	15/08/2020	बुध	09/08/2037	केतु	25/06/2053
गुरु	03/12/1999	शनि	04/03/2009	बुध	04/03/2023	केतु	16/07/2038	शुक्र	24/08/2056
शनि	04/07/2001	बुध	01/03/2010	केतु	22/03/2024	शुक्र	16/03/2041	सूर्य	06/08/2057
बुध	03/12/2002	केतु	28/07/2010	शुक्र	23/03/2027	सूर्य	02/01/2042	चंद्र	07/03/2059
केतु	04/07/2003	शुक्र	27/09/2011	सूर्य	14/02/2028	चंद्र	04/05/2043	मंगल	15/04/2060
शुक्र	04/03/2005	सूर्य	02/02/2012	चंद्र	15/08/2029	मंगल	09/04/2044	राहु	20/02/2063
सूर्य	03/09/2005	चंद्र	02/09/2012	मंगल	03/09/2030	राहु	03/09/2046	गुरु	03/09/2065

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
03/09/2065		03/09/2082		03/09/2089		04/09/2109		04/09/2115	
03/09/2082		03/09/2089		04/09/2109		04/09/2115		00/00/0000	
बुध	30/01/2068	केतु	30/01/2083	शुक्र	02/01/2093	सूर्य	22/12/2109	चंद्र	09/02/2116
केतु	26/01/2069	शुक्र	31/03/2084	सूर्य	02/01/2094	चंद्र	23/06/2110		00/00/0000
शुक्र	27/11/2071	सूर्य	06/08/2084	चंद्र	03/09/2095	मंगल	29/10/2110		00/00/0000
सूर्य	03/10/2072	चंद्र	07/03/2085	मंगल	02/11/2096	राहु	22/09/2111		00/00/0000
चंद्र	04/03/2074	मंगल	03/08/2085	राहु	03/11/2099	गुरु	10/07/2112		00/00/0000
मंगल	01/03/2075	राहु	22/08/2086	गुरु	05/07/2102	शनि	22/06/2113		00/00/0000
राहु	18/09/2077	गुरु	28/07/2087	शनि	04/09/2105	बुध	29/04/2114		00/00/0000
गुरु	25/12/2079	शनि	05/09/2088	बुध	04/07/2108	केतु	04/09/2114		00/00/0000
शनि	03/09/2082	बुध	03/09/2089	केतु	04/09/2109	शुक्र	04/09/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 9 वर्ष 6 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।